पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

मन में विचार तो चलते ही रहते हैं, लेकिन उन विचारों में कुछ सकारात्मक, कुछ नकारात्मक, कुछ व्यर्थ तथा कुछ साधारण होते हैं। जैसे जैसे ये विचार हमारे मन में आते, उसी के आधार से हमारे मन के अन्दर तरंगें उत्पन्न होती हैं। अब मसला ये है कि कैसे परखें कि ये विचार श्रेष्ठ हैं, ये विचार साधारण हैं या ये विचार व्यर्थ हैं, तरीका बहुत सीधा और सरल है।

जिन विचारों से आपका मन आनन्दित हो, खुश हो, वो विचार श्रेष्ठ हैं। उन विचारों में किसी तरह का कोई दबाव महसूस नहीं होता। जिन विचारों से हमें परेशानी हो रही हो और हमें समझ में नहीं आ रहा हो कि क्या करें, इसी स्थिति को हम तनाव कह देते हैं।

तनाव वाले विचार से हम अक्सर गलती कर जाते हैं और हमसे जो नहीं होना चाहिए वो हो जाता है। इन्हीं विचारों को हम साधारण या व्यर्थ कह देते हैं। हम आपको यह भी बताना चाहेंगे कि इतनी शक्ति के बावजूद हम कुछ ऐसा कर नहीं पा रहे हैं, जो चमत्कारिक हो! क्योंकि हमें ध्यान नहीं है कि क्या सही है, क्या गलत है। इसी का ज्ञान हमें परमात्मा देने आये हुए हैं कि बच्चों उठो, जागो, कि आपके संकल्पों से ही भाग्य निर्माण होता है। सही या गलत का फैसला सिर्फ हमारे हाथ में है। आप चाहे कितनी भी तैयारी जीवन को चलाने की कर लो, लेकिन होगा वही जो आपके संकल्प होंगे। होना भी यही चाहिए। क्योंकि जीवन आपसे ये नहीं पूछता कि आप क्या कर रहे हो, वह तो परिणामों पर चलता है। आज सभी एक बात कह देते हैं कि आप अपने मन को बस अच्छे विचार दो। मगर कैसे दूँ, इन विचारों को कोई बताता क्यों नहीं? उलझा हुआ मनुष्य बस भटका रहा है।

हमारी एक शक्ति ऐसी है, जो बिना किसी कारण नष्ट होती रहती है। वो शक्ति है संकल्प शक्ति। संकल्प शक्ति वो बल है जिससे हम सारे कार्य सिद्ध कर सकते हैं। लेकिन सिद्ध नहीं हो रहा है इसका मतलब संकल्प शक्ति में कहीं न कहीं कोई कमज़ोरी है जिसे हम पहचान नहीं पा रहे हैं।

थोड़ा शान्ति से बैठ के सोचो कि हम क्या कर रहे हैं? जैसे मेकअप उतारने के बाद चेहरा कैसा लगता है, वही स्थिति हमारी भी है, हम भी लोभ, क्रोध के विचारों को लाकर, माइन्ड का मेकअप कर रहे हैं, ये कब तक चलेगा? मेकअप तो उतरता ही है, उतरेगा ही, है ना! बस आर्टिफीशियलिटी (बनावटी पने) से बाहर निकलना तो पड़ेगा ही। स्थिति गम्भीर नहीं है, हम अवेयर नहीं, कुछ भी सोच के दुःखी हो जाना कहाँ की समझदारी है! संकल्पों की ऊर्जा को समझिए। परिस्थिति का अन्तर करना आसान हो जायेगा, संकल्प शक्ति से।

दिल्ली-लोधी रोड। 'भ्रष्टाचार मिटाओ नया भारत बनाओ' विषयक संगोष्ठी के दौरान ब्र.कु. पीयूष को प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए डी.एस. मिश्रा, आई.ए.एस., सचिव, आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा वरिष्ठ पदाधिकारीगण।

हरदुआगंज-उ.प्र.। राजस्थान के गवर्नर कल्याण सिंह को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए ब्र.कु. कमलेश।

मनाली-हि.प्र.। माननीय मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. संध्या। साथ हैं खेल व परिवहन मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर व अन्य।

दिल्ली-जनकपुरी। योग फेडरेशन ऑफ इंडिया एंड इंडो युरोपियन चेम्बर ऑफ स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइज़ेज़ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. गीता, माउण्ट आबू को 'वुमेन एक्सीलेंस अवॉर्ड-2018' से सम्मानित करते हुए प्रताप सिंह बिष्ट, पूर्व सदस्य, प्लानिंग कमिशन, उत्तराखण्ड, लक्ष्मी ठाकुर सिंघल, जनरल सेक्रेट्री, योग फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा अन्य गणमान्य लोग।

अबोहर-पंजाब। दीपावली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप जलाते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पलता, ब्र.कु. दर्शना, ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. निर्मल दुरेजा, ब्र.कु. शालू, लेखक परिषद प्रधान राज सदोष, डॉ. राजिन्द्र मित्तल, बलराम सिंगला तथा अन्य। ।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-5(2018-2019)

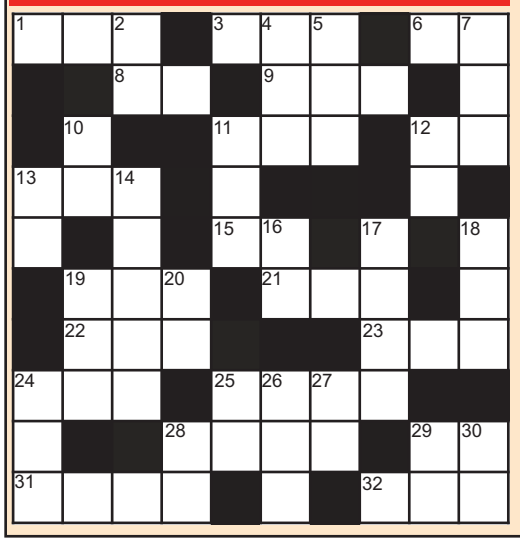

ऊपर से नीचे

2. जलीय अंश, शोरबा, स्वाद (2)
4. फिकर से...कींदा स्वामी, मुक्त (3)
5. इज्जत, सम्मान (3)
7. ऊंची इमारत, गगन चुम्बी भवन (3)
10. थोड़ा, अल्प (2)
11. मौजूद, उपस्थित (3)
12. आबरू, सोहरत, इज्जत (2)
13. कदम, पग (2)
14. मृग तृष्णा, रेगिस्तान की मरीचका (2-1-2)
16. नाखून, अंगुली का अग्र भाग (2)
17. विदेश, दूरदेश, पराया देश (4)
18. रचयिता, सृष्टि कर्ता, रचने वाला (3)
19. यन्त्र, हथियार, अस्त्र (3)
20. शरीर, चोला (2)
24. शपथ, सौगंध, प्रतिज्ञा (3)
25. लोग, प्रजा (2)
26. नासमझ, अज्ञानी (3)
27. विशेषताएं परमात्म....हैं, वरदान (2)
28. भण्डार, खदान (2)
29. सम्पूर्ण, साड़ी (2)

बाएं से दाएं

1. खुदा, परमात्मा, भगवान (3)
3. यह लड़ाई है दीये और...की, आंधी, कहर (3)
6. कमी, कमजोरी, अवगुण (2)
8. मातेला, अपना (2)
9. रीति, रस्म (3)
11. कागद, लेखन पत्र (3)
12. सत्व, मूल भाग (2)
13. शंकर जी का वाघयंत्र (3)
15. ...वीणा के तार बोले, संकल्प शक्ति (2)
19. ताकत, सामर्थ्य, बिसात (3)
21. समाचार, सूचना (3)
22. वह देश जहाँ पहली बार विश्व सेवार्थ दादी प्रकाशमणि जी गई थीं (3)
23. दैवी गुणों वाला मनुष्य (3)
24. कर्म, कार्य, करतब (3)
25. चुनाव परिणाम, जनमत का परिणाम (4)
28. कुल, घराना, कुटुम्ब (4)
29. परछाई, प्रतिबिम्ब, शरण (2)
31. ब्रह्मा बाबा की कर्म भूमि (4)
32. गुलाम, वशीभूत (3)

वर्ग पहेली उत्तर

पहेली - 21
अगस्त - 1 ओम - 9
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. हिसाब, 3. नक्शा, 4. मौन, 5. तर्क, 6. रथ, 9. नास्तिक, 10. संकल्प, 11. याद, 14. फारिग, 15. तीन, 18. शिकायत, 20. रिश्वत, 22. ईश्वर, 23. दिवाला, 24. नर, 26. दिवार, 27. भूमि।

बायें से दायें
1. हिम्मत, 2.अर्जुन, 4. मौत, 7. नर्क, 8. बद्रीनाथ, 12. रंक, 13. दर्पण, 14. फारकती, 16. नशा, 17. आशिक, 19. गरिमा, 21. रुई, 23. दिन, 25. यदि, 27. भूत, 28. वार, 29. तवा, 30. ताला।

पहेली - 22
अगस्त - 2 ओम - 10
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. राम, 2. पुरानी, 4. तमाशा, 5. दलाल, 6. शानदार, 7. जग, 9. मिसाल, 10. रात, 11. मैराथन, 12. तदबीर, 14. कमान, 15. समाज, 16. कमजोर, 18. नकल, 19. शाल, 21. जातक, 22. आश, 25. लात, 26. साल।

बायें से दायें
1. रावणपुरी, 3. मतभेद, 7. जननी, 8. शामिल, 10. राग, 11. मैदान, 12. तकरार, 13. झलक, 16. करीबी, 17. मानशान, 20. रजा, 22. आज-काल, 23. जोश, 24. तलाश, 27. ताकत, 28. बाल।

पहेली - 23
सितम्बर - 1 ओम -11
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. विपरीत, 2. शक, 3. बेफिक्र, 4. दरिया, 5. गुफा, 7. सख्त, 8. चरित्र, 10. अलंकार, 12. शुरू, 13. पिता, 15. पहरा, 18. धागा, 19. सरल, 21. हम, 22. नमक, 23. काफिर, 24. बिल, 25. नाचना, 27. साथ, 28. सजा।

बायें से दायें
1. विनाश, 3. बेहद, 5. गुप्त, 6. रीस, 8. चक्र, 9. यात्रा, 11. तख्त, 13. पित्र, 14. रूप, 16. शंका, 17. विधाता, 20. राहत, 23. काबिल, 26. महफिल, 27.साया, 28. सच, 29. रथ, 30. खजाना।

पहेली - 24
सितम्बर - 2 ओम - 12
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. कलियुग, 2. मन, 3. तरफ, 5. व्याधि, 7. कसरत, 8. कमाल, 10. गहराई, 13. अगर, 14. फल, 15. सरदार, 16. युगल, 19. लहर, 20. जानकारी, 21. पुकारना, 25. कनक, 26. राम, 28. नाम।

बायें से दायें
1. कयामत, 4. सर्वव्यापी, 6. नरक, 9. युग, 11. फसल, 12. गहन, 13. असफल, 15. सतयुग, 17. ईश्वर, 18. गरल, 22. दाखिल, 23. हसीन, 24. काली, 25. कर, 27. जीवन, 28. नारी, 29. नासमझ, 30. करम।

सादुलपुर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा जेल में 'सुविचार से सद्व्यवहार' विषयक कार्यक्रम के पश्चात् जेल प्रभारी रवि कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. हरगोविंद, माउण्ट आबू, ब्र.कु. शोभा, एडवोकेट बृजमोहन शर्मा तथा कैदी भाई।

इटावा-उ.प्र.। ज्ञानचर्चा के पश्चात् चित्र में ब्र.कु. पूनम, ब्र.कु. दीप्ति, कमाण्डेंट लल्लन राय तथा जेल अधीक्षक राजकिशोर।